भा.कृ.अनु.प. - के.मा.शि.सं. का 60 वां स्थापना दिवस प्रतिवेदन

भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., मुंबई का 60 वां स्थापना दिवस 6 जून 2020 को ऑनलाइन जूम ऐप प्लेटफॉर्म का उपयोग कर धूमधाम से मनाया गया। डायमंड जयंती समारोह को ऑनलाइन मनाने का यह एक अनोखा और पहला प्रयास था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव डेयर और महानिदेशक भा.कृ.अनु.प. और अतिथि विशेष के रूप में डॉ. जे. के. जेना उप-महानिदेशक (मात्स्यिकी विज्ञान) उपस्थित थे। डॉ. गोपाल कृष्णा, निदेशक / कुलपति ने इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत करते हुए भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., मुंबई का समतुल्य विश्वविद्यालय तक की यात्रा के बारे में श्रोताओं को संक्षिप्त जानकारी दी । उन्होंने संकाय, कर्मचारियों और छात्रों को उनके अथक प्रयासों से विश्वविद्यालय को प्राप्त हो रहे प्रशंसाओं हेतु बधाई दी। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. जे. के. जेना जी ने भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. द्वारा देश के लिए कुशल मानव संसाधनों को तैयार करने और अनुसंधान प्रणाली पर उत्कृष्ट कार्यों हेतु सराहना की। उन्होंने प्रख्यात वैज्ञानिक रोल मॉडल के अनुकरण और विश्व स्तर पर अनुभवी प्रख्यात वैज्ञानिकों से मार्गदर्शन लेने के महत्व पर ज़ोर दिया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 60 वां स्थापना दिवस हेतु नया लोगो जारी करना था। डॉ. त्रिलोचन महापात्र मुख्य अतिथि ने शिक्षण की प्रक्रिया को मजबूत करने, पूर्व छात्रों के नेटवर्क को विकसित करने, परिसर में उद्योग को आमंत्रित करने और छात्रों के बीच स्वरोजगार को बढ़ाने के महत्व पर ज़ोर दिया । उन्होंने के.मा.शि.सं. द्वारा उत्पन्न विभिन्न प्रौद्योगिकियों और मानव संसाधनों के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए अनुसंधान की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने छात्रों द्वारा किए गए सभी शोधों के डिजिटलीकरण पर ज़ोर दिया, ताकि यह जांचा जा सके कि किया गया कार्य हमारे माननीय प्रधान मंत्री जी के दृष्टिकोण के अनुरूप है या नहीं। यह अनुसंधान और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और भविष्य की पहलों की पहचान करने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। उन्होंने के.मा.शि.सं. हेतु अनुसंधान का वैश्विक विश्लेषण और शिक्षण, छात्रों को मार्गदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान करने के मामले में वैश्विक प्रदर्शन हेतु मार्ग प्रशस्त करने हेतु सुझाव दिया । इसी के साथ मात्स्यिकी क्षेत्र में किए गए सराहनीय उत्कृष्ट कार्यों से हम सभी के लिए नए लक्ष्य और दिशा निर्धारित करने हेतु सराहना की । डॉ. एम.वी. गुप्ता, अध्यक्ष क्यूआरटी, डॉ. एन. सारंगी, पूर्व अध्यक्ष आरएसी, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, आईएआरआई के निदेशक और सभी मत्स्य अनुसंधान संस्थानों के निदेशकों मात्स्यिकी विभाग के एडीजी, पूर्व निदेशकों और संयुक्त निदेशकों सहित के.मा.शि.सं. तथा मात्स्यिकी क्षेत्रों से विभिन्न गणमान्य अधिकारियों और दिग्गजों ने इस अवसर में भाग लिया । इसके अलावा, के.मा.शि.सं. के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों और वैज्ञानिकों, पूर्व व वर्तमान कर्मचारी सदस्यों और छात्रों ने ऑनलाइन समारोह में भाग लिया ।

विभिन्न गणमान्य अधिकारियों/ डीडीजी शिक्षा, अन्य भा.कृ.अनु.प. समतुल्य विश्वविद्यालयों और मात्स्यिकी संस्थानों के निदेशकों द्वारा के.मा.शि.सं. के योगदान की सराहना करते हुए दिए गए संदेशों को भी

कार्यक्रम में प्रदर्शित किए गए । डॉ. के. वी. राजेन्द्रन विभागाध्यक्ष, के.मा.शि.सं. द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का समापन कर दिया गया ।